Seventeenth Loksabha

an>

Title: Derogatory remarks made against lady Chairperson on 25.07.2019, the member personally tendered his apology. Thereupon, the Speaker also made an observation.

माननीय अध्यक्ष : आजम खां जी ।

श्री मोहम्मद आज़म खां (रामपुर): माननीय अध्यक्ष जी, जो बात आपके समक्ष मेरे संबंध में आई है, मेरी कोई ऐसी भावना चेयर के प्रति न थी, न हो सकती है । मैं दो बार संसदीय कार्य मंत्री रहा हूँ, चार बार मंत्री रहा हूँ, नौ बार विधायक रहा हूँ और राज्य सभा सदस्य रहा हूँ । मेरे भाषण, मेरे आचरण को पूरा सदन जानता है । इसके बावजूद भी अगर चेयर को मेरे प्रति ऐसा लगता है कि मुझसे कोई भावना में गलती हुई है, तो मैं उसके लिए क्षमा चाहता हूँ ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कृपया, एक मिनट रुकिए ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रमा देवी जी, आपको क्या कहना है?

...(व्यवधान)

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): महोदय, मैं नहीं सुन पायी ।...(व्यवधान)

श्री अखिलेश यादव (आजमगढ़): महोदय, मैं यहाँ बगल में बैठा हूँ । जो उन्हें कहना था, उन्होंने अपनी बात कह दी है ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आजम खां जी, आप एक बार फिर बोल दें ।

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): जो कुछ भी हुआ है, जो चर्चा हुई है, बाद में भी जो चर्चा हुई है, वह सब हमने सुनी हुई है । मैं सिर्फ यह अपील करता हूँ कि जो पूरा महिला सदस्यों का, पूरे महिला समाज का अपमान हुआ है, ठीक शब्द से उन्हें क्षमा माँगनी चाहिए और इसे खत्म करना चाहिए । पहले उन्हें क्षमा माँगनी चाहिए ।…(व्यवधान) He has not done it. …(*Interruptions*) You want to defend him.…(*Interruptions*) What is it that you are doing? …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट रुकिए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रमा देवी जी, एक मिनट रुकिए । आप आपस में चर्चा मत कीजिए ।

…(व्यवधान)

श्री अखिलेश यादव: महोदय, शायद माननीय सदस्या न सुन पाई हों ।…(व्यवधान) हो सकता है कि माननीय सदस्या ने कान में हेडफोन न लगाया हो ।…(व्यवधान)

श्रीमती रमा देवी : आप भी **…*** कह रहे थे । …(व्यवधान)

श्री अखिलेश यादव: महोदय, इनकी भाषा देखिए ।…(व्यवधान) मैं मंत्री जी से कहूँगा कि जो उन्नाव में घटना हुई है, उसके बारे में भी तो सोचिए ।…(व्यवधान) वह घटना एक बेटी के साथ हुई है।…(व्यवधान) एक बेटी के साथ क्या हुआ है? …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

श्री अखिलेश यादव: महोदय, देखिए फिर भाषा गलत हो गई ।...(व्यवधान) अगर एक महिला की गलत भाषा होगी, तो इस देश का क्या होगा? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)

श्री अखिलेश यादव: इसीलिए ये बीजेपी के लोग कहते हैं जय सिया राम,... (व्यवधान) ये सीता राम नहीं कहते हैं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कोई भी बात नोट न हो ।

...(व्यवधान)... *

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य आजम खां जी, आप एक बार विषय दोबारा रख दें ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आजम खां जी, आप एक बार फिर क्षमा व्यक्त कर दें । आपका बड़ा दिल है ।

श्री मोहम्मद आज़म खां: मान्यवर, मैंने पहले भी कहा था कि हमारी बहन समान हैं । बात को एक बार कहें या एक हजार बार कहें, बात वही रहेगी । मैंने कहा कि चेयर के लिए कोई भावना ऐसी हो, जो एक सदस्य की गलत हो, यह मेरे लिए संभव नहीं है । मैंने कहा था, लेकिन अगर फिर भी कोई अहसास है तो, मैं उसके लिए क्षमा चाहता हूँ ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है ।

...(व्यवधान)

श्री अखिलेश यादव : महोदय, ये जय सिया राम कहते हैं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कृपया शांत रहें । रमा देवी जी, आप क्या बोलना चाहती हैं?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : केवल रमा देवी जी की बात रिकॉर्ड में जाएगी ।

श्रीमती रमा देवी: अध्यक्ष जी, इन्हें बोलने के लिए कौन आदेश दे रहा है? ये जो बीच-बीच में उठ कर बोल रहे हैं, क्या उनके मुँह में वकार नहीं है?…(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहती हूं कि इस सदन में हमारे सदस्य आज़म खां ने जो बात कही, मैं जिस कुर्सी पर बैठी हुई थी, वह अध्यक्ष और सभापति की कुर्सी है, पूरा हिन्दुस्तान इसे देखता है और पूरे हिन्दुस्तान के महिला-पुरुष, सबको तकलीफ पहुंची है और बहुत तकलीफ पहुंची है । इसका जो महत्व है, यह इनकी समझ में नहीं आएगा क्योंकि ये बाहर भी इसी तरह से बोलते रहे हैं । इनकी आदत जो बिगड़ी हुई है, वह जरूरत से ज्यादा बिगड़ी हुई है ।…(व्यवधान)

अखिलेश जी, उनके मुँह में जुबान है ।…(व्यवधान) उस समय बोलने के लिए जुबान थी।…(व्यवधान) आप क्यों बोल रहे हैं? आप उनका सपोर्ट क्यों कर रहे हैं?…(व्यवधान) …* आप नहीं बोलिए ।…(व्यवधान) मैं बोल रही हूं ।…(व्यवधान) हम क्यों माफी मांगेंगे? हम उस तरह के शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं ।…(व्यवधान) आज़म खां की जो आदत है, वह सुधरनी चाहिए।…(व्यवधान) मैं एक वरिष्ठ सांसद हूं ।…(व्यवधान) मैं संघर्ष करके लोगों की आवाज बन कर आई हूं । ऐसा नहीं कि आज़म खां का जो मन करे, वे चेयर को बोल दें । इस तरह की बात सुनने के लिए मैं यहां पर नहीं आई हूं ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी की बात मानते हुए, उन्होंने मुझे जो आदेश दिया है, उसका पालन करने के लिए मैं यहां खड़ी हूं ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, ठीक है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप बैठिए । मैं व्यवस्था दे रहा हूं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: दादा, कृपया बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)